महत्वपूर्ण एवं खास

करोड़ो की नकली बेयरिंग बेचने वाले कंपनी का भंडाफोड़, कॉपी राइट राइट एक्ट का मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। नकली और घटिया क्वालिटी की बेयरिंग को एसकेएफ ब्रांड की कंपनी का मार्क लगाकर बेचने वाले जाने का भंडाफोड़ हुआ है। कंपनी के कर्मचारियों की शिकायत पर गंज थाना पुलिस ने रायपुर के स्टेशन रोड स्थित दुकानों और केलकर पारा के गोदामों में छापा मार कर करोड़ों रुपए के बेयरिंग बरामद किए हैं जिन पर कंपनी का नाम वाले डब्बों में पैक किया गया था। कंपनी के कर्मचारी मोहम्मद फैजल ने बताया की महीनों से रायपुर में एसकेएफ बेयरिंग की डुप्लिकेसी की शिकायत मिल रही थी, जिसके बाद उन्होने कंपनी रायपुर में डेरा डालकर यहां पतासाजी की। दुकान और गोदाम का पता लगाया, फिर रायपुर एसपी से मदद मांगी, गंज थाना प्रभारी ने बताया की रायपुर की इंडस्ट्रीयल बेयरिंग मिल स्टोर और अन्य गोदामों से कंपनी के कर्मचारियों की शिकायत पर बेयरिंग के सैंपल लिए गए हैं, जिसमें कॉपी राइट राइट एक्ट के तहत कार्रवाई चल रही है।

किसानों को 94 हजार 746 मीटरिक टन खाद वितरित

रायपुर (आरएनएस)। किसानों को रबी फसलों के लिए विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। इस साल रबी सीजन में अब तक किसानों को 94 हजार 746 मीटरिक टन रासायनिक उर्वरक का वितरण किया जा चुका है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सहकारी समितियों एवं निजी क्षेत्रों में 24 दिसंबर तक 2 लाख 23 हजार 125 मीटरिक टन उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है।

मोबाईल लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

» आरोपी के कब्जे से एक नग स्मार्ट फोन, लूट में प्रयुक्त मोटर सायकल बरामद

धमतरी (आरएनएस)। धमतरी जिले की कुरूद थाना पुलिस ने मोबाईल फोन की लूट करने वाले दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया रेणु साहू पिता दौलत राम साहू निवासी सरोजनी चौक कुरुद के द्वारा रिपोर्ट लिखाई गई थी की प्रार्थिया जब केनाल रोड केंद्रीय स्कूल के पास से जा रही थी तभी अचानक दो लड़के पल्सर मोटर सायकल से आये और पर्स छिनकर भाग गये जिसमें बिना सीम का इनफिक्स कंपनी का टच स्क्रीन स्मार्ट फोन रखा हुआ था। पुलिस ने इस मामले में आरोपी करण पिता सोमनाथ सारथी 19 वर्ष निवासी मेढरका एवं ईशांत उर्फ इंतु पिता शत्रुघन यादव 20 वर्ष निवासी भरदा को गिरफ्तार कर उनके पास से कब्जे से एक नग स्मार्ट फोन, लूट में प्रयुक्त मोटर सायकल बरामद किया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 271/2021 धारा 392,34 आईपीसी पंजीबद्ध कर आरोपियों को रिमांड पर भेजा गया।

तीसरी लहर से पहले 50 कंसंट्रेटर मशीन मेडिकल कॉलेज को मिले

जगदलपुर (आरएनएस)। कोरोना की तीसरी लहर से पहले केंद्र सरकार की ओर से 50 कंसंट्रेटर मेडिकल कॉलेज को मिले हैं। केंद्र की ओर से भेजी गई कंसंट्रेटर मशीन स्वयं ही ऑक्सीजन जनरेट करेगी और मरीजों को देगी। यह मशीन चलाना भी बेहद आसान है और इसे मरीज खुद ही चला सकते हैं। मेकॉज में तीसरी लहर से लड़ने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। मेकॉज प्रबंधन का कहना है कि यदि कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ती है, तो हमारे पास मरीजों को रखने के लिए बेड तथा डॉक्टरों और स्टाफ का पूरी टीम तैयार है। मेकॉज के अधीक्षक डॉ . टीकू सिन्हा ने बताया कि हमने इन मशीनों को स्पेयर में रखा हुआ है यदि तीसरी लहर जैसी कोई स्थिति बनती है, तो इन मशीनों का उपयोग किया जायेगा।

मध्यप्रदेश के घुमंतू लोहार रोजी -रोटी के लिए आए छत्तीसगढ़

» कड़ाके की ठंड में खुले आसमान के नीचे लोहे के औजार बनाकर गुजार रहे दिन

रायपुर (आरएनएस) छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्रों में रोजी -रोटी की तलाश में ज़िन्दगी का सफ़र भी इंसान को कहाँ से कहाँ ले जाता है यह देखना हो तो उन घुमंतू गरीब परिवारों की ज़िन्दगी को देखिए,जो

सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय करके मध्यप्रदेश के सागर जिले से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में आकर कुल्हाड़ी ,फावड़ा और हँसिया जैसे औजार बना रहे हैं। लेकिन जिनकी बिक्री कोई खास नहीं है । जीवन अस्त व्यस्त है। इनमें से अधिकांश परिवार सागर जिले के देवरी और कटगी के आस -पास के रहने वाले

हैं। बाल बच्चों , बहू -बेटियों और नाती -पोतों समेत ये लोग अपने गाँव से निकल पड़े हैं। धौंकनी में तपकर जैसे लोहा कठोर हो जाता है ,कुछ उसी तरह संघर्षो की आग और आँच में तपकर ये लोग भी लोहे की तरह कठोर जीवन शैली के आदी हो गए हैं।

इन्हीं में से एक घुमंतू लोहार समुदाय से महासमुंद जिले के तहसील मुख्यालय पिथौरा में आरएनएस के विशेष संवाददाता की मुलाकात हो गयी। सड़क के किनारे , शहीद भगतसिंह मैदान के अहाते के बाहर लगभग आधा दर्जन परिवारों ने डेरा डाला है। लोहा गलाने की हाथ से चलने वाली देसी धौंकनी तो ये सुबह से देर शाम तक चलाते रहते हैं। कच्चे माल के रूप में पुराना लोहा कबाड़ी से खरीदकर लाते हैं और उसे गलाकर ,ठोंक पीटकर कुल्हाड़ी ,फावड़ा ,हँसिया आदि का आकार देते हैं।प्लास्टिक के निवाड़ वाली पलंग, फोल्डिंग खाट , रूई के कुछ गद्दे , साधारण घरेलू कपड़े और घर गृहस्थी के सामान भी अहाते की दीवार के सहारे रखे हुए हैं। ये सभी लोहार समुदाय के हैं। इस कड़ाके की ठंड में इसी तरह रात गुजारते हैं।

अपनी धौंकनी में काम कर रहे भैया लाल बताते हैं कि वे 58 साल के हैं। पत्नी कमला और बेटे ,बहू के साथ यहाँ आए हैं। सागर जिले में देवरी के पास कतंगी मंदिर से दो किलोमीटर पर उनका गाँव है। गाँव लोहारों का है , सबके छोटे मोटे साधारण मकान हैं ,लेकिन खेती किसी के पास नहीं है। सिर्फ लोहारी से ही गुजारा चलता है। महाजन से दस -बीस हजार रुपए लोन लेते हैं। फिर उसे छूटने के लिए भी पैसों की जरूरत होती है। ।मध्यप्रदेश सरकार से कोई आर्थिक मदद अब तक तो नहीं मिली।वहाँ के जन प्रतिनिधि भी चुनावी दिनों के अलावा कभी उन लोगों की कोई सुध नहीं लेते। ऐसे में रोजी रोटी के लिए पूरे कुनबे को लेकर गाँव के अपने घरों में ताला लगाकर सबके सब इधर छत्तीसगढ़ आ गए।

ये परिवार इन दिनों छत्तीसगढ़ के बेमेतरा ,कवर्धा ,बलौदाबाजार और महासमुंद जिले के कस्बों और शहरों में फिलहाल इसी तरह लोहे के औजार बनाते हुए कबीलाई जीवन जी रहे हैं । कुछ परिवार कसडोल (जिला - बलौदाबाजार)में डेरा डाले हुए हैं।पिथौरा में इनमें से एक परिवार के मुखिया ने बताया कि बिना बेंट वाली एक कुल्हाड़ी 200 से 300 रुपए की है। बिक्री निराशाजनक है । मेरे यह कहने पर कि ये सामान तो आप लोग हार्डवेयर दुकान वालों को थोक में बेच सकते हैं ,भैया लाल के बेटे ने कहा कि कोशिश की थी लेकिन वो लोग हमसे खरीदना नहीं चाहते। अब चिल्हर सामान की तरह इन्हें धरती पर किसी कपड़े के ऊपर रखकर ग्राहकों का इंतज़ार करते हैं। यहाँ डेरा जमाए परिवारों के वरिष्ठ जनों से पूछने पर पता चला कि कोरोना का टीका लगवा कर ही वो लोग गाँव से निकले हैं।

भैयालाल बताते हैं कि उनके पूर्वज राजस्थान के चित्तौड़गढ़ इलाके से मध्यप्रदेश आए और सागर जिले में बस गए। यह पूछने पर कि आज भी क्या चित्तौड़ आना -जाना होता है। भैयालाल की पत्नी कमला गर्व से कहती हैं -वह तो महाराणा प्रताप की धरती है । हमारा तीर्थ है। वहाँ जरूर जाते हैं ,लेकिन ऐसा मौका लम्बे समय के बाद कभी -कभार ही मिलता है।

ओमिक्रॉन संक्रमण से बचाने नई गाइडलाइन, क्रिसमस और नए साल पर केवल 50 प्रतिशत होंगे शामिल

रायपुर (आरएनएस)। क्रिसमस और नए साल को ध्यान में रखकर एक नई गाइडलाइन जारी की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की तरफसे जारी की गई गाइडलाइन में साफतौर पर लिखा गया है कि धार्मिक त्योहार और नए साल के मौके पर कार्यक्रम स्थलों पर 50 प्रतिशत लोग ही जमा हो सकेंगे। यानी कि अगर किसी जगह पर 100 लोगों के इकट्ठा होने की क्षमता है तो वहां सिर्फ 50 लोग ही मौजूद रह सकेंगे।

राज्य सरकार की तरफ से जारी किए गए आदेश में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को लेकर चिंता भी जाहिर की गई है। आदेश में साफ तौर पर कहा गया है कि कोविड-19 के नए वैरिएंट के संक्रमण और इसके नियंत्रण को ध्यान में रखकर यह गाइडलाइन लागू की जा

रही है। राज्य सरकार की तरफ से यह आदेश प्रदेश के सभी जिलों के संभाग आयुक्त आईजी, कलेक्टर और एसपी को जारी किए गए हैं। अब इसके बाद जिला प्रशासन स्तर पर टीमें क्रिसमस और न्यू ईयर की पार्टी पर खास ध्यान देंगी और आयोजन स्थल पर 50 प्रतिशत से अधिक लोग ना जा सके इसका ध्यान रखा जाएगा।

दो दिवसीय धर्म संसद 2021 का शुभारंभ, कार्यक्रम में शामिल होने देशभर से आये साधू-संत

» पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने किया शोभा यात्रा की शुरूआत

» समापन समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल होंगे शामिल

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में दो दिवसीय धर्म संसद-2021 कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को

हुआ। कार्यक्रम में शामिल होने देशभर से साधू-संत आये हुए है।

कार्यक्रम की शुरूआत आज भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह की उपस्थिति में शोभा कलश यात्रा के साथ हुआ। यह यात्रा दुधाधारी मठ से कार्यक्रम स्थल रावणभाठा दशहरा एवं खेल मैदान पहुंचा। यहां कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर एवं पुरोहितों के मंत्रउच्चारण से हुआ। कार्यक्रम के दौरान आज संतों का सम्मान एवं पूजा अर्चना कार्यक्रम के आयोजन समिति द्वारा किया जाएगा। इसके बाद संतों एवं आयोजक समिति सदस्यों का परिचय कार्यक्रम रखा गया है। तत्पश्चात संतों एवं पुरोहितों एवं भागवताचार्यो के साथ अहम मुद्दों पर परिचर्चा होगी। शाम को भजन संध्या का कार्यक्रम भी होगा। धर्म संसद के दूसरे दिन 26 दिसंबर को कार्यक्रम में सुबह 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक संतो का व्याख्यान होगा। इसके बाद पुनः संतों का व्याख्यान और फिर सम्मान समारोह होगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

नक्सलियों द्वारा जारी बुकलेट में 4739 नक्सलियों के मारे जाने का खुलासा

बीजापुर (आरएनएस)। नक्सलियों ने अपने लड़ाकू संगठन पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) के दो दशक पूरे होने पर 04 पेज की एक बुकलेट जारी किया है। वर्ष 2000 में नक्सलियों ने पीएलजीए का गठन कर इसे छापामार स्वरूप दिया था, तब से-लेकर अब तक नक्सलियों की यह इकाई छापामार हमले कर सुरक्षा बलों को नुकसान पंहुचाने एवं आम नागरिकों को निशाना बनाती आ रही है। नक्सलियों के पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) पर आधारित जारी बुकलेट में दिसंबर 2000 से अगस्त 2021 तक नक्सलियों को हुए नफे और नुकसान का आंकड़ा जारी किया

गया है। नक्सलियों द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले 20 वर्षों में मुठभेड़ों के अलावा हादसों और बीमारियों से 4739 नक्सलियों के मारे जाने का खुलासा किया है।

नक्सलियों द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मारे गए नक्सलियों में 909 महिला 16 सीसी सदस्य 44 एसएससी, एससेडसी, एससी सदस्य 09 आरसी सदस्य और 168 जेसी, डीवीसी और डीसी सदस्य इसमें शामिल हैं। पिछले 20 वर्षों में पुलिस एवं फोर्स पर अब तक कुल 4031 छोटे बड़े हमले किए जाने की जानकारी दी गई है। इस दौरान नक्सलियों ने 3054 जवानों को मारने 3672 जवानों को घायल करने 3222 हथियार लूटने और 155356 कारतूस लूटने का दावा भी किया है। हमलों के दौरान 196 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि भी की गई है।

नक्सलियों द्वारा जारी बुकलेट में हेलिकॉप्टर हमले का भी जिक्र करते हुए बताया कि फोर्स ने उन पर हेलिकॉप्टर और ड्रोन से हमला किया था, लेकिन नक्सलियों ने भी ड्रोन और हेलिकॉप्टर को नुकसान पहुंचाया है। साल 2008 में बीजापुर, 2010 में झारखंड, 2011 रांची और छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, 2012 में झारखंड, 2013 में सुकमा हेलिकॉप्टर पर फायरिंग कर नुकसान पहुंचाने की बात लिखी है।

दुर्ग में दूसरे दिन कोरोना से फिर एक मौत, शासन-प्रशासन में मचा हड़कंप

भिलाई (आरएनएस)। दुर्ग जिले में कोरोना संक्रमण कम होने की जगह और बढ़ता ही जा रहा है। यहां लगातार दूसरे दिन कोरोना से दो मौत और 7 संक्रमित मिलने शासन प्रशासन में हड़कंप मच गया है। इन मौतों के बाद जिले में अब तक कोरोना से होने वाली कुल मौतों का आंकड़ा बढ़कर 1805 पहुंच गया है। वहीं एक्टिव केस की बात करें तो बढ़ कर 38 हो गया है। इसमें दो को होम आइसोलेट किया गया है, जबकि अन्य का उपचार अलग-अलग असपतालों में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को कोरोना से 75 वर्षीय वृद्ध की मौत हुई थी। वहीं शुक्रवार को 50 वर्षीय महिला ने कोरोना संक्रमण से इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। महिला का इलाज पिछले एक सप्ताह से सेक्टर 9 हॉस्पिटल में चल रहा था। उसे कोविड संक्रमण के साथ-साथ अन्य बीमारी होना भी बताया जा रहा है। कोरोना संक्रमण की बात करे तो अब तक जिले में कुल 97081 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इसमें से अब तक 95239 लोग ठीक हो चुके हैं।

नक्सली घटनाओं में जहां होता है चॉपर का उपयोग

» वहां दुल्हे ने चॉपर से लाई दुल्हन

» कई विदेशी मेहमान भी हुए शामिल

बीजापुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के घोर नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में एक ऐसी शादी हुई जिसमें दुल्हे ने अपने वादे के मुताबिक दुल्हन को चॉपर पर विदाई करके लाया। अब तक इस क्षेत्र में नक्सली घटनाओं में ही चॉपर का इस्तेमाल होता रहा है। यह क्षेत्र नक्सलियों के चहलकदमी का गढ़ माना जाता है। देश के लोगों का मानना है, कि इस क्षेत्र में बहुत ज्यादा गरीबी का असर व्याप्त है। ऐसे में इस प्रकार की शादी पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है। छत्तीसगढ़ का यह क्षेत्र महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना से लगा हुआ है। कई वर्षों से इस क्षेत्र के लोग नक्सली

घटनाओं के कारण डरे-सहमें तथा किसी भी पल किसी भी अनहोनी को लेकर संशय में रहते है। इस क्षेत्र के लोग गोलियों की तड़तड़ाहट तथा बमों के धमाके सुनने के आदी हो चुके थे, ऐसे में सुरेश और रेणुका की शादी की खूब चर्चा हो रही है। जिले में पहली बार ऐसी ऐतेहासिक शादी हो रही है जिसमे कोई दुल्हन पहली मरतबा साथ फेरे लेने के लिए चॉपर से गुरुवार को बीजापुर पहुंची।

दरअसल दूल्हे सुरेश चंद्राकर जो पेशे से ठेकेदार है उन्होंने शादी से पहले अपनी पत्नी रेणुका से वादा किया था कि मैं तुमसे जिस दिन शादी करूँगा उस दिन तुमको साथ फेरे लेने के लिए चॉपर से लेकर आऊंगा। इस वादे को सुरेश ने गुरुवार को बड़ी शिद्दत से निभाया। नक्सलवाद की वजह से हमेशा सुर्खियों में रहने वाला बीजापुर इस बार सुरेश और रेणुका की शादी की वजह से काफी चर्चा में बना हुआ है।

कौन है सुरेश चंद्राकर : सुरेश चंद्राकर की ज़िंदगी में काफी उतार चढ़ाव आये। एक नामी ठेकेदार बनने से पहले सुरेश ने काफी परेशानियों का सामना किया। सुरेश कहते है कि की आपके जीवन में कितनी भी समस्याएं आये उन समस्याओं का हंसकर सामना करें। अपने जीवन में लगातार मेहनत करते रहिए एक न एक दिन आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

सामूहिक दुष्कर्म एवं दहेज प्रताड़ना करने वाले 9 आरोपियों को थाना कुंण्डा पुलिस ने धर दबोचा

कवर्धा (आरएनएस)। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के द्वारा जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को महिला तथा बालक बालिकाओं से संबंधित अपराधों का त्वरित निराकरण करने सख्त निर्देश दिया गया है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती - मनीषा ठाकुर रावटे तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया नरेन्द्र कुमार बेंताल के मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक भागवत प्रसाद तिवारी के नेतृत्व में दहेज प्रताडना एवं दुष्कर्म के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पीडिता के द्वारा दिनांक 18.11.2021 को 181 महिला हेल्प लाईन रायपुर के माध्यम से शिकायत पत्र सखी 1 स्टाप सेंटर महिला एवं बाल विकास विभाग बेमेतरा छ.ग. गस्ती चौक युनियन बैंक बेमेतरा के केन्द्र प्रभारी द्वारा पीडिता के पति एवं उसके परिवार के द्वारा प्रताडना के संबंध में शिकायत पत्र मिली थी। जिसकी काऊंसलिंग कराया गया काऊंसलिंग में आवेदिका द्वारा कानूनी कार्यवाही चाही गई थी। इस तारतम्य में पीड़िता के शिकायत पत्र पर महिला सेल कवर्धा के द्वारा एफ्आईआर दर्ज किया गया। जिसमें पीडिता की शादी 18 जनवरी 2020 को अवधेश साहू कुंआमालगी वाले के साथ हुआ था 19 जनवरी 2020 को विदाई हुई अपने हैसियत के मुताबिक टी वी कुलर आलमरी एवं घरेलू सामान उपहार में दिये थे शादी के दो तीन दिन बाद सभी आरोपीगणों पति अवधेश साहू ससुर ओम प्रकाश साहू, सास अनिता बाई, देवर डोमन, द्वारा शादी में दहेज नहीं मिला है बोलकर गाली गुप्तार कर मारपीट करने लगे माह फरवरी 2020 को यह घर में अकेली थी तो इनके देवर डोमन द्वारा इसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया तथा डराया धमकाया व दिनांक 21.03.2020 से 1 माह 15 दिन तक तथा नाना ससुर नारायण साहू ,हलधर साहू ,कार्तिकराम साहू, बडा ससुर छबि राम, फुल ससुर हेमंत, सभी मिलकर बंधक बनाकर दुष्कर्म किये है, पीड़िता के द्वारा दर्ज कराएं रिपोर्ट के आधार पर जांच किया जा रहा था की दौरान विवेचना के दहेज में दिया गया सामान जप्त किया गया तथा सभी 09 आरोपीयों को गिरुफ्तार कर जेल भेजा गया है प्रकरण के एक आरोपी फरार है। जिसकी पतातलाश जारी है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनतमूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, मान-मैत्रेय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुश सी.बी.वर्मा, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आकलन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु पर संघ मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU